# राजनीतिक दल

## अध्याय : 6

कक्षा 10
सामाजिक
विज्ञान

- BJP
- INC
- BSP
- SP
- DMK

# राजनीतिक दल क्या है ?

- ❖ लोगो का एक ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने, सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य काम करता है, उसे राजनीतिक समूह कहते है।

- ❖ समाज के हितो को ध्यान में रखकर ये पार्टियाँ कुछ नीतियाँ और कार्यक्रम बनाते है।

# राजनीतिक दल के प्रमुख हिस्से :

- नेता
- सक्रीय सदस्य
- अनुयायी या समर्थक

# राजनीतिक दल के क्या कार्य है?

- राजनीतिक दल चुनाव लड़ते है।
- सरकार बनाते है और चलाते है।
- राजनीतिक दल अलग अलग नीतियाँ और कार्यक्रम बनाते है।
- देश के कानून निर्माण में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है
- विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते है।
- जनता के लिए मुद्दों को उठाते है और उन पर बहस करते है।
- सरकारी योजनाओं और कार्यक्रम को जनता तक पहुचाते है।

# राजनीतिक दलों की जरूरत क्यों ?

- ✓ अगर दल नहीं होंगे तो सारे उम्मीदवार स्वतंत्र या निर्दलीय होंगे और फिर वे कोई बड़ा नीतिगत वादा या निर्णय नहीं ले सकेंगे।
- ✓ देश कैसे चले इसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होगा। उम्मीदवार केवल अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में सोचेंगे।
- ✓ सरकार के गठन के लिए दलों की जरूरत पड़ती है।
- ✓ लोकतंत्र में विविधिता के कारण प्रत्येक क्षेत्र अपनी मांगों को मनवाने की कोशिश करता है, ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय लेने के लिए दलों की आवश्यकता होती है।
- ✓ इसके अलावा उपरोक्त सभी कार्यों के लिए दलों की आवश्यकता होती है।

# कितने राजनीतिक दल?

1. एक दलीय व्यवस्था
2. बहुदलीय व्यवस्था

- चीन, क्यूबा, उत्तरी कोरिया, वियतनाम इत्यादि एक दलीय व्यवस्था वाले देश है।
- भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, रूस और कनाडा जैसे देशों में बहुदलीय व्यवस्था है।

# राष्ट्रीय राजनीतिक दल

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
2. भारतीय जनता पार्टी
3. बहुजन समाज पार्टी
4. भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (लेनिनवादी )
5. भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
6. राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी
7. अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस

# भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी

1. इस पार्टी की स्थापना सन 1885 में हुई थी।
2. इस पार्टी की विचारधारा बहुत ही उदारवादी है।
3. इस पार्टी में समाज के सभी तबको को नेतृत्व प्राप्त है।
4. इसमें किसान, मजदूर, नरमपंथी, गरमपंथी, दक्षिणपंथी, चरमपंथी, जमीदार, डॉक्टर, वकील और व्यापारी इत्यादि सभी वर्गों को शामिल किया गया है।
5. आज़ादी से लेकर 1971 तक और फिर 1980 से 1989 और 2004 से 2014 तक कांग्रेस पार्टी स्वयं या फिर गठबंधन के साथ देश के सत्ता में रही।

# भारतीय जनता पार्टी

1) इस पार्टी की स्थापना 1980 में की गयी थी।
2) इस पार्टी की विचारधारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या हिंदुत्व है।
3) यह पार्टी देश में सामान नागरिक संहिता या NRC बनाने के पक्ष में है।
4) भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जिसका जनाधार हमेशा बहद है।
5) 1980 में 2 सीटो से बढ़कर 2019 में 303 सीटो तक पहुच गया।
6) इस पार्टी ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया।

# बहुजन समाज पार्टी

1) बहुजन समाज पार्टी का गठन सन 1984 में कांशीराम जी ने किया था।
2) इस पार्टी में बहुजन समाज जिसमे दलित, आदिवासी, पिछड़ी जातियाँ और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल है।
3) यह पार्टी उपरोक्त सामाजिक समुदाय के हितो और प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिबद्ध है।
4) यह पार्टी साहू महाराज, ज्योतिबा फुले, पेरियार रामास्वामी नायकर और बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों और शिक्षाओं को अपना मूल मन्त्र मानती है।
5) इस पार्टी की शुरुआत हरियाणा राज्य से हुई थी पर देखते ही देखते इस पार्टी का सबसे बड़ा जनाधार उत्तर प्रदेश में बन गया।
6) इसके अलावा पार्टी का जनाधार मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, उत्तराखंड और राजस्थान में बन गया है।

# भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

- इस पार्टी की स्थापना सन 1925 में हुई थी।
- यह पार्टी रुसी विचारधारा लेनिनवाद से बहुत प्रभावित है।
- इसलिए इस पार्टी की विचारधारा समाजवादी है। यह पार्टी अमेरिका द्वारा अपनाई गयी पूँजीवादी विचारधारा का विरोध करती है।
- भाकपा सामान सामाजिक आर्थिक न्याय चाहती है। यह पार्टी गरीब, मजदूर और किसानों की हिमायती है।
- इस पार्टी का आधार केरल, पश्चिम बंगाल, आँध्रप्रदेश और तमिलनाडु में है।
- 1964 में यह पार्टी टूट का शिकार हुई। इसी पार्टी से CPI – M बनी।

# भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी – मार्क्सवादी (CPI – M)

- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की स्थापना सन 1964 में हुई थी। यह पार्टी रूस की समाजवादी विचारधारा से प्रेरित थी।
- यह पार्टी समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की समर्थक है।
- यह पार्टी साम्राज्यवाद और साम्प्रदायिकता का विरोध करती है।
- यह पार्टी समाजवाद के लक्ष्यों को साधने में चुनाव और लोकतंत्र को सहायक एवं उपयोगी मानती है।
- भाकपा पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की घोर विरोधी है।
- इस पार्टी का आधार पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा में है।
- पश्चिम बंगाल में इस पार्टी की सरकार 30 वर्षों तक रही। 2004 के लोकसभा चुनाव में इस पार्टी को 43 सीटें प्राप्त हुई।

# क्षेत्रीय या राज्य स्तर पार्टियाँ

1. लोकसभा के चुनाव में कम से कम 25 में से एक सीट जेती हो।
2. वैध मतों की संख्या का 6% कम से कम प्राप्त किया हो।
3. कम से कम एक लोकसभा सीट जीती हो।
4. कम से कम दो 2 विधानसभा सीट जीती हों।
5. भारत में 2019 तक 35 क्षेत्रीय पार्टियाँ है।
6. चुनाव आयोग अब 5 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष पर राष्ट्रीय या क्षेत्रीय पार्टी की समीक्षा करेगा।

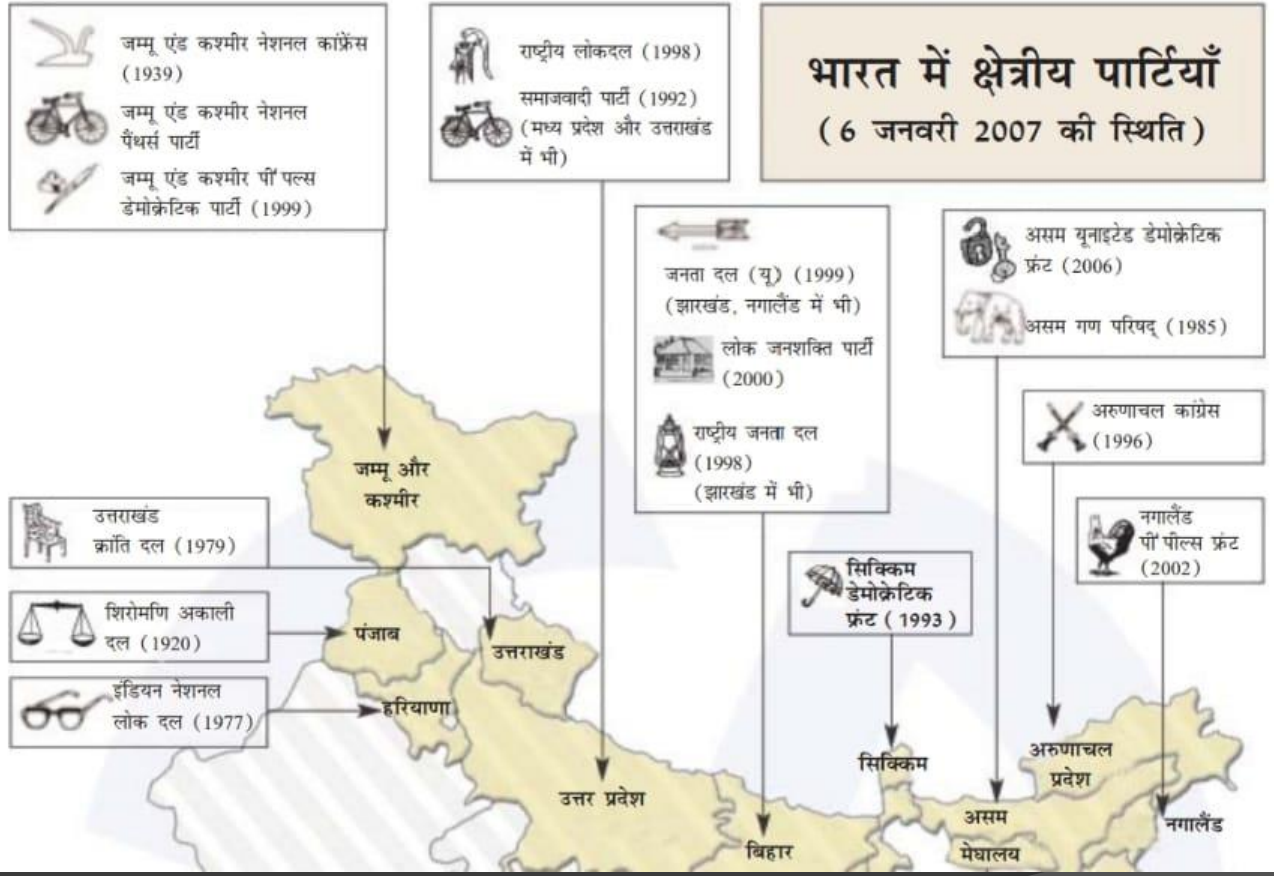
भारत में क्षेत्रीय पार्टियाँ
(6 जनवरी 2007 की स्थिति)
जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (1939)
जम्मू एंड कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी
जम्मू एंड कश्मीर पीं पल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (1999)
राष्ट्रीय लोकदल (1998)
समाजवादी पार्टी (1992) (मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में भी)
जनता दल (यू) (1999) (झारखंड, नगालैंड में भी)
लोक जनशक्ति पार्टी (2000)
राष्ट्रीय जनता दल (1998) (झारखंड में भी)
असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (2006)
असम गण परिषद् (1985)
अरुणाचल कांग्रेस (1996)
नगालैंड पीं पील्स फ्रंट (2002)
सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (1993)
उत्तराखंड क्रांति दल (1979)
शिरोमणि अकाली दल (1920)
इंडियन नेशनल लोक दल (1977)
जम्मू और कश्मीर
पंजाब
उत्तराखंड
हरियाणा
उत्तर प्रदेश
बिहार
सिक्किम
असम
मेघालय
अरुणाचल प्रदेश
नगालैंड

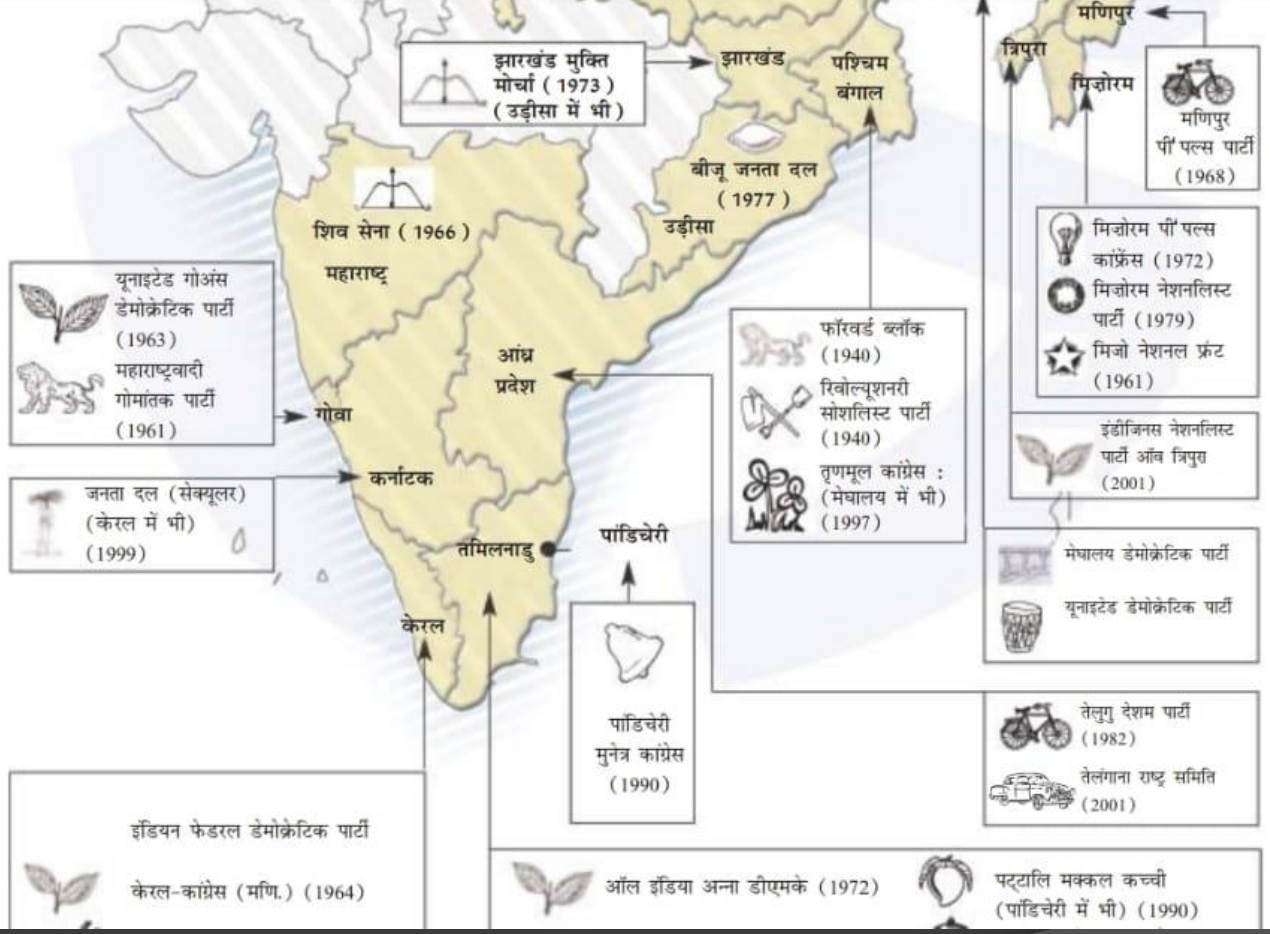
झारखंड मुक्ति मोर्चा (1973) (उड़ीसा में भी)
झारखंड
पश्चिम बंगाल
बीजू जनता दल (1977)
उड़ीसा
शिव सेना (1966)
महाराष्ट्र
यूनाइटेड गोअंस डेमोक्रेटिक पार्टी (1963)
महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (1961)
गोवा
आंध्र प्रदेश
कर्नाटक
जनता दल (सेक्यूलर) (केरल में भी) (1999)
तमिलनाडु
पांडिचेरी
केरल
फॉरवर्ड ब्लॉक (1940)
रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (1940)
तृणमूल कांग्रेस : (मेघालय में भी) (1997)
पांडिचेरी मुनेत्र कांग्रेस (1990)
त्रिपुरा
मणिपुर
मिज़ोरम
मणिपुर पीपल्स पार्टी (1968)
मिज़ोरम पीपल्स कांफ्रेंस (1972)
मिज़ोरम नेशनलिस्ट पार्टी (1979)
मिजो नेशनल फ्रंट (1961)
इंडीजिनस नेशनलिस्ट पार्टी ऑव त्रिपुरा (2001)
मेघालय डेमोक्रेटिक पार्टी
यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी
तेलुगु देशम पार्टी (1982)
तेलंगाना राष्ट्र समिति (2001)
इंडियन फेडरल डेमोक्रेटिक पार्टी
केरल-कांग्रेस (मणि.) (1964)
ऑल इंडिया अन्ना डीएमके (1972)
पट्टालि मक्कल कच्ची (पांडिचेरी में भी) (1990)

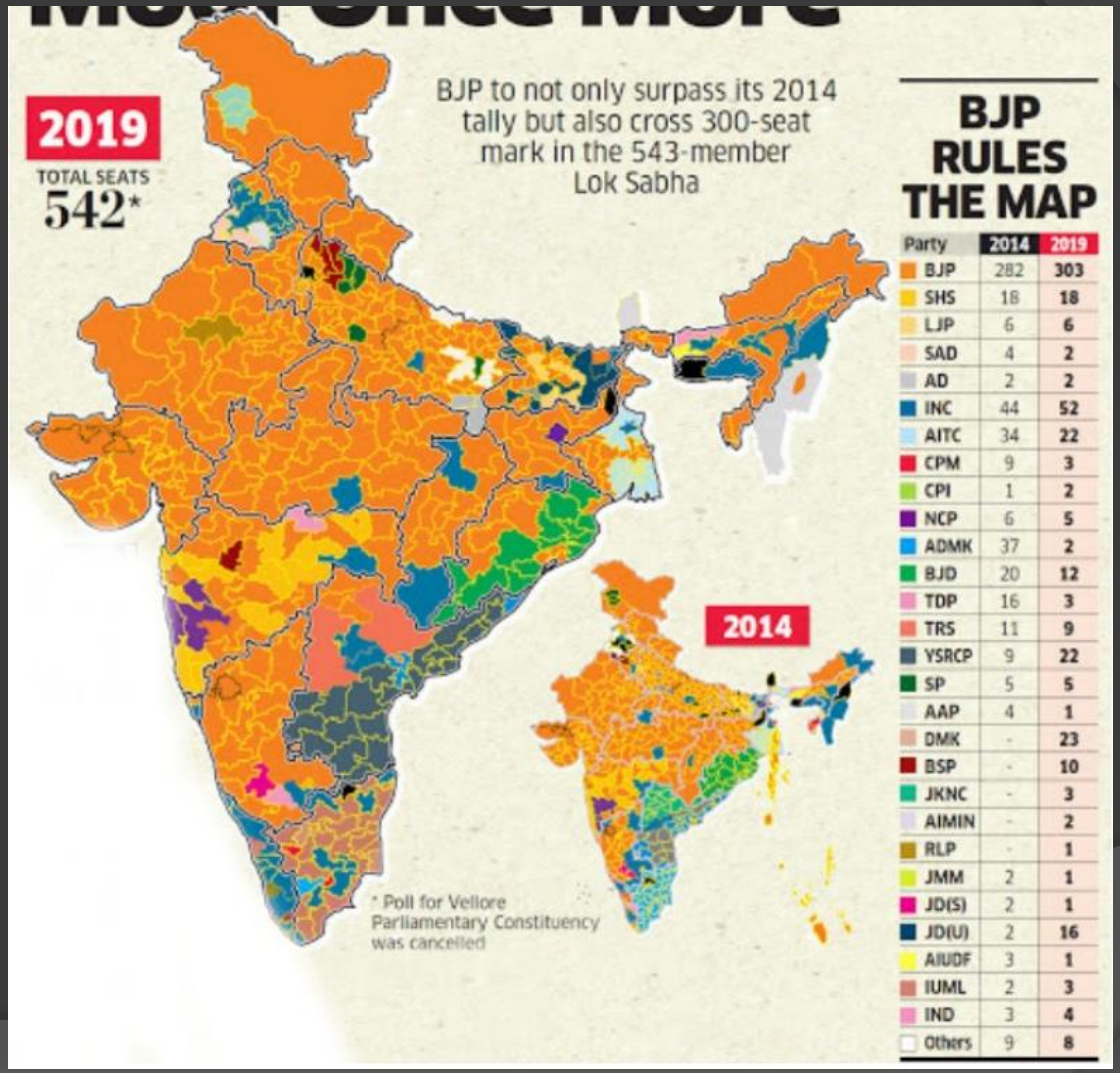


## BJP RULES THE MAP

| Party | 2014 | 2019 |
|---|---|---|
| BJP | 282 | 303 |
| SHS | 18 | 18 |
| LJP | 6 | 6 |
| SAD | 4 | 2 |
| AD | 2 | 2 |
| INC | 44 | 52 |
| AITC | 34 | 22 |
| CPM | 9 | 3 |
| CPI | 1 | 2 |
| NCP | 6 | 5 |
| ADMK | 37 | 2 |
| BJD | 20 | 12 |
| TDP | 16 | 3 |
| TRS | 11 | 9 |
| YSRCP | 9 | 22 |
| SP | 5 | 5 |
| AAP | 4 | 1 |
| DMK | - | 23 |
| BSP | - | 10 |
| JKNC | - | 3 |
| AIMIN | - | 2 |
| RLP | - | 1 |
| JMM | 2 | 1 |
| JD(S) | 2 | 1 |
| JD(U) | 2 | 16 |
| AIUDF | 3 | 1 |
| IUML | 2 | 3 |
| IND | 3 | 4 |
| Others | 9 | 8 |

# राजनीतिक दलों के लिए चुनौतियाँ

- ✓ पार्टी के भीतर आतंरिक लोकतंत्र का न होना।
- ✓ वंशवाद की चुनौतियाँ।
- ✓ राजनीतिक दलों में पैसा और अपराधिक छवि वाले लोगो का प्रवेश।
- ✓ सार्थक विकल्प की कमी।

# राजनीतिक दलों में सुधार

राजनीतिक दलों के कार्य में निम्नलिखित सुधार किये जाने की आवश्यकता है :

- दलों के अंदरूनी कार्यों की पारदर्शिता के लिए कानून बनना चाहिए
- दलों में महिलाओं के लिए प्रशासनिक पदों और चुनाव टिकटों में कम से कम 33% आरक्षण दिया जाना चाहिए।
- चुनाव का खर्च सरकार को उठाना चाहिए और इसकी निगरानी करनी चाहिए की निर्धारित खर्च से अधिक खर्च न हो।
- उम्मीदवारों के द्वारा भरे जाने वाले शपथपत्र की जाँच होनी चाहिए।
- सभी दलों को RTE के दायरे में लाना चाहिए।

# Thanks For Watching

Like

SHARE

SUBSCRIBE